



"EPCH HOUSE" POCKET 6 & 7, SECTOR - C, L.S.C., VASANT KUNJ, NEW DELHI-110 070

Tel.: +91-11-26135256 / 57 / 58

Fax: +91-11-26135518 / 19

E-mail: mails@epch.com

Web : www.epch.in

PRESS RELEASE

SHRI PIYUSH GOYAL, HON'BLE UNION MINISTER OF FINANCE & SMT. SMRITI ZUBIN IRANI, HON'BLE UNION MINISTER OF TEXTILES MET THE HEADS OF EPCs ON 27TH MAY, 2018 & ASSURED ADDITIONAL ITEMS LIKE EMBELLISHMENTS/ TRIMMINGS CAN BE IMPORTED DUTY FREE AND HIRING OF INTERNATIONAL DESIGNERS TO BE MADE EASY

EPCH HAILS QUICK ACTION BY HON'BLE UNION MINISTERS TO RESOLVE ISSUES OF HANDICRAFTS SECTOR

New Delhi – 28th May, 2018 - To formulate the strategies for enhancing export in each sector which comes under the Ministry of Textiles and to resolve the problems and challenges faced by the Handicrafts Sector, Shri Piyush Goyal, Hon'ble Union Minister of Finance and Smt. Smriti Zubin Irani, Hon'ble Union Minister of Textiles called a meeting with the heads of Export Promotion Councils on 27th May, 2018 at New Delhi.

Shri O.P. Prahladka, Chairman- EPCH gave an overview of the sector and also placed before the Hon'ble Ministers strategies being adopted by the EPCH for export growth. The major suggestions placed by the Chairman included:

- Enhancement of list of essential embellishment, trimmings, tools and consumables to be imported duty free and Exemption from payment of IGST on import of such items
- Inclusion of 'Merchant Exporters' in the list of exporters eligible for benefit of 'interest equalization scheme' (previously known as "interest subvention scheme")
- Issuance of eBRC in case of Exports of Handicrafts to Iran
- If Issuance of eBRC is not done by the bank within stipulated time, banks to pay penalty to the exporters.
- Scheme of 'Rebate of State Levies' (ROSL) on Exports of Handicrafts
- Engagement of Foreign Designers in the handicrafts sector to be made easy, cap to be reduced.
- Enhance Allocation of funds under Market Access Initiative (MAI) and relaxation in Operational Guidelines for Funding Under the MAI Scheme to include Markets of USA, Canada, EU, Japan, China and other developed markets for extending invitation to buyers to RBSM's organized in India
- Blocking of Working Capital – Refund of ITC/ GST

Shri O.P Prahladka informed that both the Union Ministers gave a patient hearing to the issues raised by him and assured all possible cooperation towards resolution of all the issues, which are hampering the exports of handicrafts from the Country. He further said, the meeting could be considered unprecedented as it was called on Sunday and reflects the sense of urgency on the part of the Government to kick-start the process of resolution of issues of the various sectors and embarks upon the path of exports growth.

The Handicrafts exports during the year 2017-18 was Rs. 22.916.03 crores registering a decline of 6.05% in comparison to last year.

For more information, please contact:

Shri O P Prahladka, Chairman EPCH - +91-9831024249

प्रेस विज्ञप्ति

माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री श्री पीयूष गोयल और माननीय केंद्रीय कपड़ा मंत्री श्रीमति स्मृति जुबिन ईरानी ने निर्यात संवर्धन परिषद के प्रमुखों से 27 मई 2018 को मुलाकात की और additional वस्तुएं जैसे एम्बेलिशमेंट/ट्रिमिंग आदि आयात कर मुक्त बनाये जाने और अंतरराष्ट्रीय डिजाइनरों की आसान उपलब्धता का आश्वासन दिया.

EPCH HAILS QUICK ACTION BY HON'BLE UNION MINISTERS TO RESOLVE ISSUES OF HANDICRAFTS SECTOR

नई दिल्ली- 28 मई 2018- कपड़ा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले प्रत्येक क्षेत्र में निर्यात बढ़ाने की रणनीतियों को तैयार करने के लिए और हस्तशिल्प क्षेत्र द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं और चुनौतियों का समाधान करने के लिए, माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री श्री पीयूष गोयल और माननीय केंद्रीय कपड़ा मंत्री श्रीमति स्मृति जुबिन ईरानी ने 27 मई 2018 को नई दिल्ली में निर्यात संवर्धन परिषदों के प्रमुखों की एक बैठक बुलाई.

ईपीसीएच के अध्यक्ष श्री ओ. पी. प्रह्लादका ने इस क्षेत्र का विवरण दिया और साथ ही माननीय मंत्रियों के सामने निर्यात में वृद्धि के लिए ईपीसीएच द्वारा अपनाई जा रही रणनीतियों को रखा. ईपीसीएच के अध्यक्ष के रखे गए अहम सुझावों में शामिल थे:

- आवश्यक एम्बेलिशमेंट, ट्रिमिंग, टूल्स और कन्स्यूमबल की सूची में वृद्धि करने के साथ ही इसे आयात शुल्क मुक्त किया जाना चाहिए और इन वस्तुओं पर आईजीएसटी के भुगतान से छूट मिले.
- एक समान ब्याज योजना (पहले इसे ब्याज अनुदान योजना कहते थे) के लाभ के लिए योग्य निर्यातकों की सूची में Merchant निर्यातकों को शामिल करना .
- हस्तशिल्पों को ईरान को निर्यात किए जाने पर ईबीआरसी जारी करना.
- अगर बैंक निर्धारित समय के भीतर ईबीआरसी जारी नहीं करते तो बैंकों को निर्यातकों को हर्जाना देना होगा
- हस्तशिल्प के निर्यात पर 'State लेवी की छूट' की योजना.
- Engagement of Foreign Designers in the handicrafts sector to be made easy, cap to be reduced.
- अमरीका, कनाडा, यूरोपीय संघ, जापान, चीन और अन्य विकसित देशों को शामिल करने के लिए मार्केट एक्सेस इनिशिएटिव (एमएआई) के तहत फंड आवंटन में वृद्धि और इसी योजना के अंतर्गत प्रक्रिया संबंधी दिशानिर्देशों में छूट मिले ताकि भारत में आयोजित आरबीएसएम (रिवर्स बायर सेलर मीट) में आमंत्रित खरीदारों का दायरा फैलाया जा सके.
- Blocking o working capital - आईटीसी/जीएसटी लौटाना.

श्री ओ. पी. प्रह्लादका ने बताया कि दोनों केंद्रीय मंत्री उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों को धैर्यपूर्वक सुना और उन सभी मुद्दों के समाधान के लिए, जो देश से हस्तशिल्प के निर्यात में बाधा डाल रहे हैं, हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया.

श्री ओ. पी. प्रह्लादका ने आगे कहा कि बैठक को अभूतपूर्व माना जा सकता है क्योंकि इसे रविवार को बुलाया गया था जिससे सरकार की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में आ रही समस्याओं को तत्काल प्रभाव से सुलझाने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए सरकार के हिस्से पर तत्कालता की भावना को दर्शाता है।

2017-18 के दौरान हस्तशिल्प क्षेत्र का निर्यात 22,916.03 करोड़ रुपये था इसमें पिछले साल की तुलना में 6.05% की गिरावट दर्ज की गई है.

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

श्री ओ. पी. प्रह्लादका, अध्यक्ष, ईपीसीएच - +91-9831024249



SHRI O.P. PRAHLADKA, CHAIRMAN – EPCH DURING MEETING WITH SHRI PIYUSH GOYAL, HON'BLE UNION MINISTER OF FINANCE AND SMT. SMRITI ZUBIN IRANI, HON'BLE UNION MINISTER OF TEXTILES ON 27.5.2018 AT NEW DELHI